IIMA PRESS RELEASE 2013-14

Prof. Vasant Gandhi and Prof. Rekha Jain on IIMA Board

IIMA, September 28, 2013: Mr A.M. Naik, Chairman, BoGs, IIMA today appointed Prof. Vasant Gandhi and Prof. Rekha Jain to the IIMA Board as faculty representatives on the recommendation of Prof Ashish Nanda, Director, IIMA.

Please find below brief profiles of the Prof Gandhi and Prof Jain.

Prof. Vasant P. Gandhi

Prof. Vasant Gandhi is Ph.D. from Stanford University, and a gold medallist of IIM Ahmedabad. He has worked with the World Bank in Washington DC and with the International Food Policy Research Institute (IFPRI) in Washington. He has been Visiting Professor at the University of Sydney, and the James Cook University in Australia. At IIM Ahmedabad, Prof. Gandhi has served as Chairman of Alumni Relations, of the Post Graduate Programme in Agri-Business Management, and of the Centre for Management in Agriculture. The PGP-ABM programme designed by Prof. Gandhi and his team is currently ranked no. 1 in the world. He has been a consultant/ advisor to the World Bank, FAO, the World Food Program, Government of India, various state governments, and private and public sector companies. He is on the Board of Directors of several companies. He has worked extensively on new-institutional economics, designing effective institutions for water resource management, strategic marketing of food and agro products, technology management in agriculture, food policy, and investment behaviour.

Prof Rekha Jain

Prof. Rekha Jain is currently the Executive Chair of the IIMA-IDEA Telecom Centre of Excellence. She has consulted with several national and international organizations in the area of Telecom Policy and ICT Strategy. Her research and teaching interest are in telecom policy and regulation, rural telecom, ICT Strategy and Management, and Information System Implementation. She has also worked on leadership issues for Women in IT.

Her recent focus of work has been on Infrastructure Development and Public Private Partnerships. She has several publications in national and international journals and is an editorial board member of Journal of Global Information Management (JGIM) and Board Member of several professional organizations. She has been and continues to be a member of several national level committees in the telecom and IT sectors.

She has worked with both international and domestic organizations, including World Bank, DFID, Commonwealth Telecommunications Organization, IDRC, Department of Telecommunications, NASSCOM, Department of Post, Sixth Pay Commission, TCS, Department of IT, etc.

She has administrative experience in working in various key positions at IIMA. From 1997-2007, she was head of the Centre for Telecom Policy Studies. She was Chair of the Post Graduate Programme from 2010-2012, Chair of the Doctoral Program (2006-2008) and Placements (2002-2005). She worked in State Bank of India for a year during 1976-1977. She has a Ph. D. from the Indian Institute of Technology, Department of Computer Science & Engineering, New Delhi (1985), M. Phil (1977-79): Department of Computer Science, JNU, New Delhi, M. Sc. (1976), Physics: Delhi University. She was awarded senior Fulbright Fellowship on Telecom Regulation in 1997-98.

आईआईएमए प्रेस विज्ञप्ति 2013-14

प्रोफ़ेसर वसंत गाँधी और प्रोफ़ेसर रेखा जैन अब आईआईएमए बोर्ड में शामिल

आईआईएमए, 28 सितम्बर, 2013 :श्री ए. एम. नायक, अध्यक्ष, प्रशासन बोर्ड, आईआईएमए ने आज प्रोफ़ेसर आशीष नंदा, निदेशक, आईआईएमए की सिफारिश पर प्रोफ़ेसर वसंत गाँधी और प्रोफ़ेसर रेखा जैन की नियुक्ति आईआईएमए बोर्ड में संकाय प्रतिनिधि के रूप में की है।

प्रोफ़ेसर गाँधी और प्रोफ़ेसर जैन (सुश्री) के संक्षिप्त प्रोफ़ाइल यहाँ प्रस्तुत हैं।

प्रोफ़ेसर वसंत पी. गाँधी

प्रोफ़ेसर वसंत गाँधी स्टैनफ़ॉर्ड युनिवर्सिटी से पीएच.डी. हैं, और आईआईएम अहमदाबाद से स्वर्ण पदक विजेता हैं। इन्होंने वॉशिंगटन डीसी में विश्व बैंक में सेवाएँ दी हैं और वॉशिंगटन में ही अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (आईएफ़पीआरआई) में भी सेवाएँ दी हैं। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी युनिवर्सिटी में और जैम्स कूक युनिवर्सिटी में ये आगंतुक प्रोफ़ेसर रह चुके हैं। आईआईएम अहमदाबाद में, प्रोफ़ेसर गाँधी कृषि-व्यवसाय प्रबंधन स्नातकोत्तर कार्यक्रम के पूर्वछात्र सम्पर्क अध्यक्ष के तौर पर और कृषि प्रबंध केन्द्र में सेवा दे चुके हैं। वर्तमान में विश्व में प्रथम स्थान प्राप्त पीजीपी-एबीएम कार्यक्रम की रचना प्रोफ़ेसर गाँधी व इनकी टीम ने ही की है। ये विश्व बैंक, एफ़एओ, विश्व खाद्य कार्यक्रम, भारत सरकार, विभिन्न राज्य सरकारों, एवं निजी व सार्वजनिक सेक्टरों की कम्पनियों में परामर्शक/सलाहकार के रूप में सेवाएँ दे चुके हैं। कई कम्पनियों के प्रशासी निकाय में भी ये सदस्य हैं। ये नये संस्थानकीय अर्थशास्त्र, जल संसाधन प्रबंधन के लिए प्रभावी संस्थान की रचना, खाद्य एवं कृषि उत्पादों के रणनीतिक विपणन, कृषि में प्रौद्योगिकी प्रबंधन, खाद्य नीति, और निवेश व्यवहार में विस्तृत रूप से कार्य कर चुके हैं।

प्रोफ़ेसर रेखा जैन

वर्तमान में प्रोफ़ेसर रेखा जैन आईआईएमए-आइडिया दूरसंचार उत्कृष्टता केन्द्र की कार्यकारी अध्यक्ष हैं। दूरसंचार नीति एवं आईसीटी रणनीति के क्षेत्र में कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगठनों में इन्होंने परामर्शन किया है। इनके अनुसंधान एवं अध्यापन रुचि के क्षेत्रों में दूरसंचार नीति एवं विनियमन, ग्रामीण दूरसंचार, आईसीटी रणनीति एवं प्रबंधन, और सूचना प्रणाली कार्यान्वयन शामिल हैं। इन्होंने आई.टी. में महिलाओं के लिए नेतृत्व मुद्दों पर भी कार्य किया है।

इनके अभी के कार्यकलाप बुनियादी सुविधाओं का विकास एवं सार्वजनिक निजी प्रतिभागिता पर केन्द्रित हैं। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में इनके कई प्रकाशन हैं और ये वैश्विक सूचना प्रबंधन जर्नल (जेजीआईएम) की सम्पादकीय बोर्ड सदस्या हैं और कई व्यावसायिक

संगठनों की बोर्ड सदस्या भी हैं। ये दूरसंचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों की राष्ट्रीय स्तर की समितियों की सदस्या रह चुकी हैं और अभी भी कार्यरत हैं।

इन्होंने विश्व बैंक, डीएफ़आईडी, कॉमनवैल्थ दूरसंचार संगठन, आईडीआरसी, दूरसंचार विभाग, नासकॉम, डाक विभाग, छठे वेतन आयोग, टीसीएस, आई.टी. विभाग इत्यादि में सेवाएँ दी हैं।

ये आईआईएमए में विभिन्न मुख्य पदों पर कार्यों के लिए प्रशासनिक अनुभव प्राप्त कर चुकी हैं। वर्ष 1997-2007 के दौरान, दूरसंचार नीति अध्ययन केन्द्र की ये अध्यक्ष थीं। वर्ष 2010-2012 के लिए ये स्नातकोत्तर कार्यक्रम और डॉक्टरेट कार्यक्रम (2006-2008) और नियोजन (2002-2005) की अध्यक्ष थी। इन्होंने सन् 1976-1977 के दौरान भारतीय स्टेट बैंक में सेवाएँ दी हैं। इन्होंने पीएच.डी. की उपाधि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग, नई दिल्ली (1985) से, एम.फिल (1977-79), कम्प्यूटर विज्ञान विभाग, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से, भौतिकशास्त्र में एम.एससी. (1976) दिल्ली विश्वविद्यालय से की है। इनको दूरसंचार विनियमन पर वरिष्ठ फ़ूलब्राइट फ़ैलोशिप से सन् 1997-98 में सम्मानित किया गया।